1. 'रूसी क्रांति' के किन्हीं दो कारणों का वर्णन करें।

उत्तरः
1. जार निकोलस द्वितीय का निरंकुश शासन जनता के लिए दमनकारी था।

2. आर्थिक एवं सामाजिक असमानता के कारण किसान और मजदूर अत्यधिक परेशान थे।

2. मेटरनिख व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य था**?**

उत्तरःयूरोप में राजतंत्र की पुनः स्थापना करना**,** क्रांति एवं राष्ट्रवाद को दबाना तथा पुरानी व्यवस्था बनाए रखना।

3. समाजवादी विचारधारा का श्रमिकों पर क्या प्रभाव पड़ा**?**

उत्तरःसमाजवादी विचारधारा से श्रमिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुए। उन्होंने बेहतर मजदूरी**,** कम कार्य समय तथा समान अधिकारों की मांग की।

4. यूरोप में राष्ट्रवाद का क्या प्रभाव पड़ा**?**

उत्तरःराष्ट्रवाद के कारण जर्मनी और इटली का एकीकरण हुआ तथा स्वतंत्र राष्ट्रों का निर्माण हुआ।

5. भारत की भाषाई विविधता से आपका क्या अभिप्राय है**?**

उत्तरःभारत में अनेक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। विभिन्न राज्यों की अपनी-अपनी भाषा एवं संस्कृति है, इसे ही भाषाई विविधता कहते हैं।

6. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है**?**

उत्तरःसत्ता की साझेदारी से सभी वर्गों को शासन में भागीदारी मिलती है, संघर्ष कम होता है तथा लोकतंत्र मजबूत होता है।

7. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका है**?**

उत्तरःराजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं, सरकार बनाते हैं, जनता की समस्याओं को उठाते हैं तथा सरकार की नीतियाँ निर्धारित करते हैं।

8. भारत की विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है**?**

उत्तरःभारत की संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी अपेक्षाकृत कम है, हालांकि इसमें धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

9. 'मिश्रित अर्थव्यवस्था**'** से आप क्या समझते हैं**?**

उत्तरःजिस अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक तथा निजी दोनों क्षेत्रों का योगदान होता है, उसे मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते हैं।

10. मानव विकास रिपोर्ट क्या है**?**

उत्तरःमानव विकास रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम **(UNDP)** द्वारा प्रकाशित की जाती है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और आय के आधार पर देशों का मूल्यांकन किया जाता है।

11. राष्ट्रीय आय को परिभाषित करें।

उत्तरःएक वर्ष में किसी देश में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य को राष्ट्रीय आय कहते हैं।

12. सतत् विकास से आप क्या समझते हैं?

उत्तरःऐसा विकास जिससे वर्तमान आवश्यकताएँ पूरी हों तथा भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, सतत् विकास कहलाता है।

13. भारत में संसाधनों के असमान वितरण का क्या कारण है?

उत्तरःप्राकृतिक परिस्थितियों, जलवायु, भू-आकृति तथा भूगर्भीय संरचना में भिन्नता के कारण संसाधनों का वितरण असमान है।

14. नवीकरणीय ऊर्जा एवं अनवीकरणीय ऊर्जा में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तरःनवीकरणीय ऊर्जा बार-बार प्राप्त की जा सकती है, जबकि अनवीकरणीय ऊर्जा सीमित मात्रा में उपलब्ध होती है और समाप्त हो सकती है। सौर एवं पवन ऊर्जा नवीकरणीय हैं, जबकि कोयला एवं पेट्रोलियम अनवीकरणीय हैं।

15. नदी घाटी परियोजनाओं के विकास के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तरःसिंचाई की सुविधा प्रदान करना, जलविद्युत उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण, पेयजल उपलब्ध कराना तथा मत्स्य पालन एवं नौवहन को बढ़ावा देना।

16. वन संसाधनों का क्या महत्व है**?**

उत्तरःवन पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं, वर्षा में सहायक होते हैं, वन्य जीवों को आश्रय देते हैं तथा लकड़ी, औषधि और अन्य उपयोगी वन उत्पाद प्रदान करते हैं।

17. प्राकृतिक आपदा और मानवजनित आपदा में क्या अंतर है**?**

उत्तरःप्राकृतिक आपदा प्राकृतिक कारणों से होती है, जैसे- भूकंप एवं बाढ़। मानवजनित आपदा मानव की लापरवाही या गतिविधियों से होती है, जैसे-आग एवं रासायनिक दुर्घटना।

18. सुखाड़ का कृषि पर क्या प्रभाव पड़ता है**?**

उत्तरःसुखाड़ के कारण फसलें नष्ट हो जाती हैं, कृषि उत्पादन घट जाता है, किसानों की आय कम हो जाती है तथा पशुओं के लिए चारे की कमी हो

19. बाढ़ के समय लोगों को क्या सावधानी बरतनी चाहिए**?**
उत्तरःलोगों को ऊँचे स्थान पर जाना चाहिए, बिजली के तारों से दूर रहना चाहिए, दूषित पानी पीने से बचना चाहिए तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करना

20. आपदा प्रबंधन में जन-जागरूकता क्यों आवश्यक है?

उत्तरः
जन-जागरूकता से लोग आपदा के समय सही निर्णय लेते हैं, नुकसान कम होता है तथा राहत एवं बचाव कार्य अधिक प्रभावी बनते हैं।

21. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तरःओटो वॉन बिस्मार्क जर्मनी के एकीकरण के प्रमुख निर्माता थे। वे प्रशा **(Prussia)** के प्रधानमंत्री थे और उन्होंने "रक्त और लोहा" **(Blood and Iron)** की नीति अपनाकर जर्मनी का एकीकरण किया। उनका मानना था कि केवल भाषणों और समझौतों से नहीं, बल्कि शक्तिशाली सेना और युद्ध के माध्यम से ही एकीकरण संभव है। उन्होंने सबसे पहले डेनमार्क के विरुद्ध युद्ध किया और श्लेसविग तथा होल्स्टीन पर अधिकार प्राप्त किया। इसके बाद **1866** में ऑस्ट्रिया को हराकर उसे जर्मन मामलों से अलग कर दिया। फिर **1870-71** के फ्रांस-प्रशा युद्ध में फ्रांस को पराजित किया। इस विजय के बाद दक्षिणी जर्मन राज्य भी प्रशा के साथ जुड़ गए। अंततः **18** जनवरी **1871** को वर्साय के महल में जर्मन साम्राज्य की स्थापना हुई और विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया। इस प्रकार बिस्मार्क की कूटनीति, सैन्य शक्ति और नेतृत्व के कारण जर्मनी का सफल एकीकरण हुआ।

22. कार्ल मार्क्स की जीवनी एवं सिद्धांतों का वर्णन करें।

उत्तरःकार्ल मार्क्स का जन्म **5** मई **1818** को जर्मनी के ट्रियर नगर में हुआ था। वे महान दार्शनिक, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री तथा

समाजवादी विचारक थे। उन्होंने अपने मित्र फ्रेडरिक एंगेल्स के साथ मिलकर **1848** में **"**कम्युनिस्ट घोषणापत्र**" (Communist Manifesto)** की रचना की। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक **"**दास कैपिटल**" (Das Kapital)** है। मार्क्स का मानना था कि समाज दो वर्गों**-** पूँजीपति और श्रमिक में बँटा हुआ है तथा पूँजीपति श्रमिकों का शोषण करते हैं। उन्होंने वर्ग संघर्ष के सिद्धांत का प्रतिपादन किया और कहा कि अंततः श्रमिक वर्ग क्रांति करके शोषण का अंत करेगा। वे निजी संपत्ति के उन्मूलन तथा उत्पादन के साधनों पर समाज के सामूहिक स्वामित्व के पक्षधर थे। उनके विचारों ने विश्व में समाजवादी एवं साम्यवादी आंदोलनों को प्रेरणा दी। **14** मार्च **1883** को उनका निधन हुआ**,** लेकिन उनके सिद्धांत आज भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

23. लोकतंत्र किस प्रकार सामाजिक विभेद निवारण में सहायक है**?**
उत्तरः लोकतंत्र समानता**,** स्वतंत्रता और न्याय के सिद्धांत पर आधारित शासन व्यवस्था है। इसमें सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार प्राप्त होते हैं। लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को मतदान का अधिकार**,** अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कानून के समक्ष समानता प्राप्त होती है।

24. भारत में किस तरह जातिगत असमानताएँ जारी हैं**?** स्पष्ट करें।

उत्तरः भारत में संविधान द्वारा समानता का अधिकार दिए जाने के बावजूद जातिगत असमानताएँ पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। आज भी कई क्षेत्रों में ऊँची और नीची जातियों के बीच सामाजिक**,** आर्थिक तथा शैक्षणिक असमानता देखने को मिलती है। कुछ स्थानों पर दलितों और पिछड़े वर्गों के साथ भेदभाव किया जाता है

तथा उन्हें समान अवसर नहीं मिल पाते। शिक्षा, रोजगार, भूमि स्वामित्व और आय के क्षेत्र में भी जातिगत अंतर दिखाई देता है। कई बार विवाह, सामाजिक संबंध तथा राजनीतिक गतिविधियों में भी जाति का प्रभाव रहता है। हालांकि सरकार ने आरक्षण, शिक्षा, सामाजिक न्याय तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से इन असमानताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी समाज में जागरूकता, शिक्षा और समान व्यवहार के माध्यम से ही जातिगत भेदभाव को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है।

25. राष्ट्रीय आय की गणना की प्रमुख विधियों का वर्णन करें।
उत्तरःराष्ट्रीय आय की गणना किसी देश की आर्थिक स्थिति जानने का महत्वपूर्ण साधन है। इसकी तीन प्रमुख विधियाँ हैं। पहली, उत्पादन विधि **(Product Method),** जिसमें एक वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मूल्य की गणना की जाती है। दूसरी, आय विधि **(Income Method),** जिसमें उत्पादन के सभी साधनों को प्राप्त आय जैसे मजदूरी, किराया, ब्याज और लाभ को जोड़कर राष्ट्रीय आय ज्ञात की जाती है। तीसरी, व्यय विधि **(Expenditure Method),** जिसमें उपभोग व्यय, निवेश व्यय, सरकारी व्यय तथा शुद्ध निर्यात को जोड़कर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है। इन तीनों विधियों का उद्देश्य देश की कुल आय का सही अनुमान लगाना है। इनसे आर्थिक विकास, प्रति व्यक्ति आय तथा सरकारी योजनाओं के निर्माण में सहायता मिलती है।

26. बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के कारणों का वर्णन करें।

उत्तरःबिहार प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद आर्थिक रूप से पिछड़ा राज्य माना जाता है। इसके प्रमुख

कारणों में औद्योगीकरण का अभाव, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, बार-बार आने वाली बाढ़ और सुखाड़, बेरोजगारी तथा गरीबी शामिल हैं। राज्य में परिवहन, बिजली, सिंचाई और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है। शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण की कमी के कारण कुशल श्रमिकों का अभाव है तथा बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए अन्य राज्यों में पलायन करते हैं। निवेश की कमी और उद्योगों के सीमित विकास के कारण रोजगार के अवसर कम हैं। भ्रष्टाचार, जनसंख्या वृद्धि तथा प्राकृतिक आपदाएँ भी आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए उद्योगों की स्थापना, कृषि का आधुनिकीकरण, बेहतर शिक्षा, आधारभूत संरचना का विकास तथा निवेश को बढ़ावा देना आवश्यक है।

27. कोयले का वर्गीकरण कर उनकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तरःकोयला एक महत्वपूर्ण जीवाश्म ईंधन है, जिसका उपयोग बिजली उत्पादन, उद्योगों तथा परिवहन में किया जाता है। कार्बन की मात्रा के आधार पर कोयले को चार भागों में बाँटा गया है। पहला एन्थ्रासाइट **(Anthracite)**, जिसमें कार्बन की मात्रा सबसे अधिक होती है। यह सबसे उत्तम गुणवत्ता का कोयला है और अधिक ऊष्मा देता है। दूसरा बिटुमिनस **(Bituminous)**, जो सबसे अधिक पाया जाता है तथा उद्योगों और ताप विद्युत संयंत्रों में उपयोग किया जाता है। तीसरा लिग्नाइट **(Lignite)**, जिसमें नमी अधिक होती है तथा इसकी ऊष्मा क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। इसका उपयोग मुख्यतः बिजली उत्पादन में किया जाता है। चौथा पीट **(Peat)**, जो कोयले की प्रारंभिक अवस्था है। इसमें कार्बन की मात्रा सबसे कम होती है तथा यह कम ऊष्मा उत्पन्न करता है। इस प्रकार कार्बन की

मात्रा और ऊष्मा क्षमता के आधार पर कोयले का वर्गीकरण किया जाता है।

28. देश के आर्थिक विकास में संसाधनों के महत्व पर चर्चा करें।

उत्तरःसंसाधन किसी भी देश के आर्थिक विकास का आधार होते हैं। प्राकृतिक, मानव तथा पूँजी संसाधनों के उचित उपयोग से उत्पादन बढ़ता है और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। भूमि, जल, वन, खनिज तथा ऊर्जा संसाधन कृषि और उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खनिजों से उद्योगों को कच्चा माल मिलता है, जबकि जल और ऊर्जा से उत्पादन कार्य संचालित होता है। मानव संसाधन शिक्षा, कौशल और तकनीकी ज्ञान के माध्यम से उत्पादन क्षमता बढ़ाते हैं।